ॐ जय चित्रगुप्त हरे। By YK Vij।

ॐ जय चित्रगुप्त हरे
स्वामी जय चित्रगुप्त हरे।
भक्त जनों के इच्छित,
दास जनों के इच्छित,
फल को पूर्ण करे।
ॐ जय चित्रगुप्त हरे॥

विघ्न विनाशक मंगलकर्ता,
संतान सुखदायी।
भक्तों के प्रतिपालक,
त्रिभुवन यश छाई।
ॐ जय चित्रगुप्त हरे॥

रूप चतुर्भुज श्यामल मूरत,
पीताम्बर राजे।
मात इरावती दक्षिणा,
वाम अंग साजे।
ॐ जय चित्रगुप्त हरे॥

कष्ट निवारक दुष्ट संहारक,
प्रभु अंतर्यामी।
सृष्टि संहारण जन दुख हारण,
प्रकट भये स्वामी।
ॐ जय चित्रगुप्त हरे॥

कलम दवात शंख पत्रिका,
कर में अति सोहे।
वैजयंती वनमाला,
त्रिभुवन मन मोहे।
ॐ जय चित्रगुप्त हरे॥

जय चित्रगुप्त हरे,
स्वामी जय चित्रगुप्त हरे।
भक्त जनों के इच्छित,
दास जनों के इच्छित,
फल को पूर्ण करे।
ॐ जय चित्रगुप्त हरे॥

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a5%90-%e0%a4%9c%e0%a4%af-%e0%a4%9a%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%97%e0%a5%81%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%a4-%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-yk-vij/